संपादकीय

देसी दवाए: वाजिब सवाल

आशंका यह है कि उन दवाओं से लाभ की जगह कुछ हानि हो जाए। यह सबक दुनिया भर के लिए है। पारंपरिक दवाओं को लोगों के विवेक पर छोड़ देना चाहिए, जबकि स्वास्थ्य नीति आधुनिक विज्ञान पर ही आधारित होनी चाहिए।

पारंपरिक चिकित्सा हर सभ्यता का हिस्सा रही है। जब तक आधुनिक विज्ञान का अस्तित्व सामने नहीं आया था, हर जगह लोग ऐसी दवाओँ से अपना इलाज करते थे। यह नहीं कहा जा सकता कि आज के दौर में उन दवाओं की अहमियत खत्म हो गई है या उनकी कोई जरूरत नहीं है। इसके बावजूद उचित यही होगा कि लोग ऐसी दवाएं अपनाएं या नहीं, यह उन पर छोड़ दिया जाना चाहिए। जबकि आधुनिक चिकित्सा सबको उपलब्ध होनी चाहिए। तीन साल पहले कोरोना महामारी जब आई, तब भारत में भी ऐसी चिकित्सा चर्चा में आई थी और उस पर सवाल भी उठे थे। अब जबकि चीन महामारी से जूझ रहा है, तो वहां भी इस मुद्दे पर विवाद खडा हुआ है। अनुभव यह है कि जब दवाओं की कमी हो जाती है, तो सरकारें पारंपरिक दवाओं को प्रोत्साहित करने के नाम पर लोगों से उन पर निर्भर रहने की अपील करने लगते हैं।

कोरोना वायरस के खिलाफ एक अभियान के रूप में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पारंपरिक चीनी चिकित्सा को बढ़ावा दिया है। देश के स्वास्थ्य अधिकारी अब कोरोना वायरस से लड़ में इसकी "महत्वपूर्ण भूमिका" बता रहे हैं। जबकि आलोचकों का कहना है कि यह शूडो साइंस है और वास्तविक बीमारी के इलाज में अप्रभावी है। इसके असर के दावों की पुष्टि नहीं की जा सकती है, क्योंकि इस पर बहुत कम डेटा उपलब्ध है। चीन दुनिया के कुछ सबसे पुराने समाजों में से एक है, जहां उपचार के पारंपरिक तरीकों, जड़ी-बूटियों और अन्य प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग और मालिश से लेकर एक्यूपंक्चर और नपे-तुले आहार तक का अभ्यास किया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञ इसे संदेह की दृष्टि से देखते हैं। उनके मुताबिक यह पता नहीं है कि ये उपचार प्रभावी हैं या नहीं, क्योंकि प्रयोगशालाओं में उनका अध्ययन या परीक्षण नहीं किया गया है। दरअसल इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि उन दवाओं से लाभ की जगह कुछ हानि हो जाए। तो यह सबक दुनिया भर के लिए है। पारंपरिक इलाज को लोगों के विवेक पर छोड़ दिया जाना चाहिए, जबकि स्वास्थ्य नीति आधुनिक विज्ञान पर ही आधारित होनी चाहिए।

इंडियन ऑयल ने पापुआ न्यू गिनी को विशेष एविएशन गैस का शुरू किया निर्यात

नई दिल्ली। सरकारी क्षेत्र की तेल कंपनी इंडियन ऑयल के अध्यक्ष एस एम वैद्य ने अपराह्न 3.00 बजे मुंबई के जवाहरलाल नेहरू ट्रस्ट के जीटीआई टर्मिनल से पापुआ न्यू गिनी के लिए एविएशन गैस (100 एलएल श्रेण) की पहली निर्यात खेप को झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत पहले इस ईंधन का आयात करता था। कंपनी ने कहा कि भारत द्वारा विमान ईंधन के निर्यात करने का यह पहला मौका है। पहले के अपने पहली खेप में 12000 लीटर एविएशन गैस की आपूर्ति की गई है।

इस अवसर पर श्री वैद्य ने कहा, वैश्विक विमानन गैसोलीन बाजार 5 प्रतिशत वार्षिक की दर से बढऩे का अनुमान है। भारत में विमानन यातायात भी 7 प्रतिशत की दर से बढऩे की संभावना है। इंडियन ऑयल इस 100एलएल विशेषता के उत्पाद के विनिर्माण के साथ इसमें संभावित व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। बेहतर प्रदर्शन गुणवत्ता मानकों और प्रतिस्पर्धी कीमतों के साथ, इंडियनऑयल का लक्ष्य महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है। भारत में एविएशन गैस 100एलएल का स्वदेशी उत्पादन न केवल आयात पर विदेशी मुद्रा बचाने में मदद करेगा बल्कि नवोदित पायलटों के लिए घरेलू उड़ान संस्थानों में पायलट प्रशिक्षण को किफायती बनाएगा।

भारत में, अभी हाल तक, मुख्य रूप से फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (एफटीओ) और रक्षा बलों द्वारा उपयोग किए जाने वाले इस ईंधन को दशकों तक यूरोपीय देशों से भारी कीमत पर आयात किया जाता था। प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' विजन के तहत, इंडियन ऑयल ने 26 सितंबर, 2022 को वायु सेना स्टेशन, हिंडन में विमानन ईंधन एविएशन गैस 100 एलएल का स्वदेशी उत्पादन शुरू किया और अब इसका घरेलू बाजार में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। वर्तमान में इसका उत्पादन इंडियन ऑयल की गुजरात रिफाइनरी से किया जा रहा है। इंडियन ऑयल द्वारा अपनी गुजरात रिफाइनरी में उत्पादित एवगैस 100एलएल का घरेलू उत्पादन भारत और विदेशों में उड़ान प्रशिक्षण को और अधिक किफायती बना देगा।

दक्षिण अमेरिका, एशिया प्रशांत, मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप के देशों में एविएशन गैस की काफ़ी अधिक खपत है। इसलिए, भारत से इसका निर्यात करने का एक बड़ा अवसर है।

इंडियनऑयल के एविएशन गैसोलीन का प्रिंसिपल ग्रेड, एवगैस गैस 100 एलएल को रेसिप्रोकेटिंग पिस्टन इंजन एयरक्राफ्ट में उपयोग के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से एफ टी ओ और रक्षा बलों द्वारा पायलटों के प्रशिक्षण के लिए किया जाता है।

वड़ोदरा में इंडियनऑयल की प्रमुख रिफाइनरी द्वारा उत्पादित इस ईंधन का परीक्षण और प्रमाणन नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा किया गया है, जो भारत में नागरिक उड्डयन को विनियमित करने के लिए भारत सरकार का वैधानिक निकाय है।

बीसीसीआई ने वुमेंस प्रीमियर लीग के मुख्य प्रायोजन के लिए आमंत्रित की बोलियां

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के अगले चार सत्रों के प्रायोजन के लिये बोलियां आमंत्रित की हैं।

बोर्ड ने जारी विज्ञप्ति में कहा, बीसीसीआई वुमेंस प्रीमियर लीग के 2023-2027 सत्रों के मुख्य प्रायोजन के लिये सम्मानित कंपनियों से बोलियां आमंत्रित करता है।

बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा कि इस बोली लगाने की इच्छुक कंपनियों को एक लाख रुपये की राशि अदा करनी होगी, जिसके बाद उन्हें एक नीलामी दस्तावेज (आरएफपी) उपलब्ध करवाया जायेगा। इस दस्तावेज़ में नीलामी के लिये पात्र होने की आवश्यकताएं, बोलियां प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, शीर्षक प्रायोजक के अधिकार,दायित्व आदि जानकारियां उपलब्ध होंगी।

बोली प्रस्तुत करने की इच्छुक किसी भी पार्टी के लिये आरएफपी खरीदना आवश्यक है। इसके बाद जो पार्टियां आरएफपी में निर्धारित मानदंड को पूरा करेंगी, वही बोली लगाने की हकदार होंगी। बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि केवल आरएफपी खरीदने से कोई पार्टी बोली लगाने का हकदार नहीं हो जायेगी।

उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई ने हाल ही में डब्ल्यूपीएल की पांच टीमों के मालिकाना अधिकार बेचे हैं, जिससे उसे करीब 4700 करोड़ का लाभ हुआ है। डब्ल्यूपीएल के पहले सत्र का आयोजन चार मार्च से किया जा सकता है।

वाई-फाई 6ई नेटवर्क को आईफोन 15 प्रो मॉडल तक सीमित कर सकता है एप्पल

सैन फ्रांसिस्को। टेक कंपनी एप्पल वाई-फाई 6ई नेटवर्क को केवल आईफोन 15 प्रो मॉडल तक ही सीमित करेगी। एप्पल की ओर से साझा किए गए एक दस्तावेज में आईफोन 15 के एंटीना आर्किटैक्चर के डायग्राम दिखाए गए हैं। दस्तावेज में आईफोन 15 प्रो मॉडल को डी8एक्स के रूप में लेबल किया गया था और संकेत दिया था कि तेज वाई-फाई 6ई को आईफोन 15 प्रो और आईफोन 15 प्रो मैक्स मॉडल तक ही सीमित होगा। वर्तमान में वाई-फाई 6ई को पहले से ही आईफोन निर्माता के कुछ उत्पाद लाइनअप में जोड़ा जा चुका है, लेकिन यह नवीनतम आईपैड प्रो मैक मिनी और मैकबुक प्रो मॉडल तक ही सीमित है। वाई-फाई 6ई मानक उपकरणों को राउटर और मोडेम से कनेक्ट करने में सक्षम बनाता है, जो इसका समर्थन करते हैं, हालांकि यह एक नई तकनीक है और अभी तक व्यापक रूप से उपयोग नहीं की जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाई-फाई 6 की तुलना में, वाई-फाई 6ई अधिक बैंडविड्थ देता है, तेज कनेक्टिविटी गति, कम विलंबता और बढ़ी हुई क्षमता प्रदान करता है।

अडानी समूह ने फिर कहा अमेरिकी कंपनी के आरोप निराधार

❏ **एफपीओ में बदलाव न किए जाने का संकेत**

नई दिल्ली। अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह की ओर से शनिवार को संकेत दिया गया कि समूह की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के 20,000 करोड़ रुपए के अनुवर्ती सार्वजनिक शेयर निर्गम (एफपीओ) में शेयरों की बिक्री घोषित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होगी।

अडानी समूह के एक प्रवक्ता ने कहा,एफपीओ निकल जाएगा इसमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

अडानी समूह की स्थिति के बारे में अमेरिका की सट्टा कोष कंपनी हिंडेनबर्ग रिसर्च की 24 जनवरी की रिपोर्ट के बाद कंपनी का शेयर एफपीओ के लिए निर्धारित शेयर कीमत के दायरे से काफी नीचे चला गया है। शुक्रवार को या एफपीओ में पहले दिन केवल एक फीसदी शेयरों के लिए ही आवेदन आए।

इस बीच प्राणी समूह की ओर से आज जारी निवेशकों के नाम में नोटिस में कहा गया है कि उसने अडानी एंटरप्राइजेज की स्थिति के बारे में अमेरिकी फर्म की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। कंपनी उन आरोपों को निराधार और बेतुका मानती है कंपनी ने उस रिपोर्ट पर अपनी स्पष्टीकरण को शेयर बाजारों को भी दिया है कपिल ने कहा कि अडानी एंटरप्राइजेज के एफपीओ संबंधित विवरण पुस्तिका (आर एच पी) में आवश्यक जानकारियां और विवरण भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड सेबी के नियमों के अनुसार पहले ही दिए जा चुके हैं।

कंपनी ने कहा है कि उसने इस संबंध में मीडिया में जारी अपने बयानों को भी शेयर बाजारों को दे दिया है। ये बयान उस की वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं।

अडानी एंटरप्राइजेज ने एफपीओ के लिए मूल्य का दायरा 3112 रुपए से 3276 रुपए के बीच रखा है। जबकि शुक्रवार को कंपनी का शेयर बाजार में 19 प्रतिशत गिरकर 2762 रुपए पर आ गया था।

पहले दिन 4.7 लाख शेयरों के लिए आवेदन मिले थे जबकि उसने 4.6 करोड़ शेयर बेचने के लिए एफपीओ पेश किया है।

एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 में नौंवे स्थान पर रहा भारत

राउरकेला। मेजबान देश भारत ने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के क्लासिफिकेशन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 5-2 से हराकर टूर्नामेंट में नौंवा स्थान हासिल कर लिया।

बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम को जगमग करते हुए अभिषेक (चौथे मिनट), हरमनप्रीत सिंह (11वें मिनट),

शमशेर सिंह (44वें मिनट), आकाशदीप सिंह (48वें मिनट) और सुखजीत सिंह (58वें मिनट) ने मेजबान टीम के गोल किये। दक्षिण अफ्रीका के गोल सैमकेलो विम्बी (48वां) और मुस्तफा कासिम (60वां मिनट) ने किये।

भारत इस जीत के साथ घरेलू सरजमीन पर हुए टूर्नामेंट में अर्जेंटीना के साथ नौंवे स्थान पर रहा। दक्षिण अफ्रीका ने वेल्स के साथ 11वां स्थान साझा किया। नौवां स्थान हासिल करने की होड़ में भारत ने पहले मिनट से ही दक्षिण अफ्रीकी अर्द्ध में जगह बनाना शुरू कर दी। उन्हें इसका फल चौथे मिनट में तब मिला जब अभिषेक ने दक्षिण अफ्रीकी अर्द्ध में गेंद को पाकर उसे नेट में दाग दिया। इस चर्टर में भारत विपक्षी टीम के लिये बहुत तेज साबित हुआ और उसने कई प्रयासों के बीच 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित कर लिया। हरमनप्रीत ने इस कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

दो गोल की बढ़त लेने के बाद भारत ने दूसरे चर्टर में आक्रामकता के साथ तीन पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किये, हालांकि वह हाफ टाइम से पहले स्कोरबोर्ड में और कोई बदलाव नहीं कर सका। हाफ टाइम के बाद दक्षिण अफ्रीका ने बेहतर खेल दिखाते हुए पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। अमित रोहिदास को 33वें मिनट में येलो कार्ड देखकर 10 मिनट के लिये फील्ड से बाहर जाना पड़ा, जिसके कारण भारतीय रक्षण से एक खिलाड़ी कम हो गया। दक्षिण अफ्रीका ने इसी मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, जबकि 35वें मिनट में वह फील्ड गोल करने के करीब आया। भारतीय रक्षण ने हालांकि दोनों बार गेंद को नेट तक नहीं पहुंचने दिया।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हिस्सा लेंगे टॉप्स एथलीट

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में 30 जनवरी से शुरू हो रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भारत सरकार की 'टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना' (टॉप्स) के 15 एथलीट मैदान पर उतर कर नवोदित एथलीटों को प्रोत्साहित करेंगे।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि टॉप्स के तहत पहले से ही अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल कर चुके एथलीट यहां जमीनी स्तर के एथलीटों को आगे बढऩे के लिये प्रेरित करेंगे।

इन खिलाडिय़ों में महाराष्ट्र के विशाल चांगमई, मंजिरी अलोन, अपेक्षा फर्नांडीस, आकांक्षा व्यवहारे, हरियाणा की रिद्धि, उन्नति हुड्डा, शिव नरवाल, तेजस्वनी, निश्चल, दिल्ली की पायस जैन और कर्नाटक की रिधिमा वीरेंद्रकुमार एवं यशस्विनी घोरपड़े सहित अन्य एथलीटों के नाम शामिल हैं।

विज्ञप्ति में बताया गया कि मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मंडला, खरगोन (महेश्वर) और बालाघाट के अलावा नयी दिल्ली में होने वाली प्रतियोगिता में करीब छह हजार एथलीट हिस्सा लेंगे। यूथ गेम्स में कुल 27 विधाएं होंगी। इन खेलों के इतिहास में पहली बार वाटर स्पोर्ट्स को शामिल किया जा रहा है। इसके अलावा कैनो स्लैलम, कयाकिंग, कैनोइंग और रोइंग जैसे पानी के खेल भी साथ होंगे।

टॉप्स का मुख्य उद्देश्य एथलीटों को ओलंपिक और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक जीतने के लिए वित्तीय सहायता और अन्य सहायता प्रदान करना है। साल 2020 में दस से 12 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों को लक्षित करते हुए 2028 में ओलंपिक विजेताओं को तैयार करने के लिये टॉप्स की शुरुआत की गयी थी।

आज का राशिफल

मेष : आज परिस्थिति तथा समय में तालमेल बिठाकर कार्य करने में सक्षम रहेंगे। माता-पिता बुजुर्गों तथा जीवनसाथी के प्रति मन में सेवा भाव बना रहेगा। विद्यार्थी तथा युवा अपने अध्ययन तथा कैरियर के प्रति पूरी तरह फोकस रहेंगे।

वृष : आज कार्यक्षेत्र में उन्नति से संबंधित कोई शुभ समाचार मिल सकता है। किसी प्रकार का ठोस निर्णय लेते समय उस पर गंभीरता से विचार विमर्श करना अति आवश्यक है। कामकाज को लेकर की गई यात्राएं सफल रहेंगी।

मिथुन : आज जो काम पिछले कुछ समय से रुका हुआ या अटका हुआ था, उसे पूरा करने का उचित समय है। इस समय कोई नई उपलब्धि आपका इंतजार कर रही है, और आप अपनी योग्यता व प्रतिभा द्वारा उसे पूरा करने में सक्षम भी रहेंगे।

कर्क : आज का दिन मनोनुकूल रहेगा। व्यापार में विस्तार की योजनाओं को मूर्तरूप देने का उचित समय है। फिजूलखर्ची पर जरूर नियंत्रण रखें। किसी अपरिचित इंसान की बातों में आने से आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

सिंह : आज संतान की शिक्षा या कैरियर से संबंधित कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। पैतृक संपत्ति या किसी भी प्रकार का विवाद आज किसी की मध्यस्थता से सुलझाने का उचित समय है।

कन्या : आज का दिन मिला जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में कोई चुनौती सामने आ सकती है। खुद को साबित करने के लिए मेहनत की जरूरत हो सकती है। इस समय बिजनेस को लेकर जो योजना चल रही थी, वो और टल सकती है।

तुला : आज आप अपने सकारात्मक दृष्टिकोण द्वारा किसी भी समस्या का हल ढूंढने में सक्षम रहेंगे। संतान संबंधी भी कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद व कृपा प्राप्त होगी।

वृश्चिक : आज कार्यक्षेत्र में विस्तार की योजना पर काम शुरू करने से काफी हद तक सफलता मिल सकती है। अपने टैक्स संबंधी सभी कामों को पूरा रखें। अगर आप राजकीय सेवा क्षेत्र में है तो पब्लिक के साथ व्यवहार करते समय सावधानी रखने की आवश्यकता है।

धनु : आज आय के नए स्रोत बनने के उचित योग बन रहे हैं। कारोबार में कोई उपलब्धि मिलने पर ज्यादा सोच-विचार ना करके तुरंत उस पर अमल करें। नौकरी में छोटी-मोटी समस्याएं आ सकती है।

मकर : आज आप किसी भी परिस्थिति में कार्य को पूरा करने की क्षमता रखेंगे। समाज तथा परिवार में मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा में इजाफा होगा। व्यवहार कुशलता का सकारात्मक प्रभाव सम्मान में बढोतरी करेगा।

कुंभ : आज योजना अनुसार कार्य करने में सफलता मिलेगी। मशीनरी तथा तकनीकी कार्यों से संबंधित व्यवसाय में कामयाब रहोगे। अपनी कार्यप्रणाली तथा व्यस्तता संबंधी योजनाओं को किसी के समक्ष जाहिर ना करे।

मीन : आज घर में किसी नजदीकी रिश्तेदार के आगमन से खुशी का माहौल रहेगा। तथा किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह-मशविरा होने से कोई समाधान भी मिलेगा। सामाजिक दायरा बढेगा। स्वास्थ्य सही रहेगा।

ईशा देओल अब बड़े पर्दे पर कर रहीं वापसी, मिला अमित साध का साथ

अभिनेत्री ईशा देओल एक बार फिर अभिनय की दुनिया में अपनी सक्रियता बढ़ा रही हैं। शादी करने के बाद उन्होंने धीरे-धीरे फिल्मों से दूरी बना ली थी, लेकिन अब ईशा बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। वह अमित साध अभिनीत एक फिल्म से फिल्मों में लौट रही हैं। निर्माता प्रदीप रंगवानी की इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इससे जुड़ी और क्या कुछ जानकारी सामने आई है, आइए जानते हैं।

इस फिल्म में अमित के अलावा, सीमा बिस्वास और तिग्मांशु धूलिया भी अहम भूमिका में हैं। ईशा ने इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा, इस फिल्म में मेरी भूमिका जीवन में महिलाओं के विकास को दर्शाती है। यह एक मजबूत, लेकिन सरल संदेश देती है कि एक महिला सबकुछ हासिल कर सकती है। उन्होंने बताया, मेरा किरदार प्रभावी रूप से दर्शाता है कि कैसे एक महिला खुद को खोजती है और जीवन में कुछ बड़ा करती है।

अमित की हिट फिल्म काय पो छे को याद कर ईशा ने कहा, अमित हिंदी सिनेमा के कलाकारों की नई पीढ़ी के एक बेहतर और करिश्माई अभिनेता हैं। मैं उनके काम को पसंद करती हूं। ईशा कहती हैं, अमित के साथ काम करने का यह अनुभव एक नया अनुभव होगा और मेरा विश्वास है कि हर अनुभव हमें जीवन में एक बेहतर इंसान बनाने में मदद करता है। मैं उनके साथ इस फिल्म में काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

फिल्म लकड़बग्घा का बनेगा सीक्वल, इसी साल शुरू होगी शूटिंग

अंशुमन झा की फिल्म लकड़बग्घा 13 जनवरी, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है। हालांकि, अंशुमन ने लकड़बग्घा के लिए न्यूयॉर्क में दक्षिण एशियाई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता है। अब उन्होंने खुलासा किया है कि वह जल्द इस फिल्म का सीच्ल बनाएंगे और इसी साल यानी 2023 में फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। इस खबर की पुष्टि उन्होंने खुद पुरस्कार जीतने के बाद की।

लकड़बग्घा में एक साधारण लडक़े की असाधारण कहानी दिखाई गई है, जो अवैध पशु व्यापार इंडस्ट्री के खिलाफ जंग छेड़ता है। फिल्म में मिलिंद सोमन एक मार्शल आर्ट ट्रेनर की भूमिका में हैं, वहीं अंशुमन ने जानवरों के रक्षक का किरदार निभाया है।

शाम के नास्ते में बनाएं गर्मागर्म हरा चना कबाब

शाम के समय लगने वाली हल्की भूख के लिए अगर आप कुछ अच्छा और हेल्दी ढूंढ रहे हैं, तो आप हरा चना कबाब बना सकते हैं। मिनटों में तैयार होने वाला यह स्नैक्स बेहद आसान रेसिपी से तैयार होता है।

सामग्री :

- एक कटोरी हरा चना
- 100 ग्राम कटा पालक
- 8-10 पुदीने के पत्ते
- हरा धनिया
- एच चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट
- दो हरी मिर्च
- एक चम्मच भुना जीरा
- एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- एक चम्मच गरम मसाला
- एक चम्मच धनिया पाउडर
- एक चुटकी हींग
- आधा चम्मच हल्दी
- 1/2 कप चावल का आटा
- आधे नींबू का रस
- तेल (शैलो फ्राई करने के लिए)

विधि :

सबसे सभी सामग्रियों को एक साथ ब्लेंडर में डालकर बारीक पीस लें।

अब इसमें चावल का आटा मिलाकर आटा गूंथ लें।

इसके बाद इस आटे की छोटी-छोटी बॉल्स बनाकर इसे हाथों की मदद से चपटा कर लें।

एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और सभी कबाब को इसमें डालकर तलें।

इस कबाब को तब तक तलें जब तक यह क्रिस्पी और गोल्डन न हो जाए।

तैयार है हरा चना कबाब। इसे चटनी या सॉस के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 326

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. ह्रदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

1		2	■	3		4	■	5
	■		■		■	6		
■	7				■		■	
8		■	■		■	9	10	
	■	■	■	11	12	■		■
13			14	■	15			■
	■	■	16	17		■	18	19
■	20	■	■		■	21	■	
22					■	23		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 325 का हल

चु	स्त	■	मु	■	सं	स्था	न	■
ग	■	म	र्दा	न	गी	■	त	म
ली	प	ना	■	■	त	न	■	■
■	ना	ना	■	■	■	■	ज	■
मा	ह	■	रा	■	सा	ज	न	■
न	■	स	ह	दे	व	■	म	द
व	■	म	■	व	न	ज	■	ल
ता	क	त	व	र	■	मी	■	द
■	ल	ल	क	■	क	र	त	ल

सू-दोकू- 326

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 325 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	8	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7